The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

13 July 2021

रांची

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में खनन उद्योग में करियर पर ऑनलाइन पैनल चर्चा का आयोजन

आज, इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा खनन उद्योग के विशेषज्ञों के साथ, खनन उद्योग में कैरियर के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक ऑनलाइन पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। चर्चा के लिए पैनलिस्ट में डॉ तपन कुमार चंद, निदेशक, बाल्को, पूर्व सीएमडी, नाल्को और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड और श्री प्रभाकर चौकी, निदेशक, नेवेली लिग्नाइट लिमिटेड के थे। चर्चा का संचालन इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने किया। इस कार्यक्रम में झारखंड, बिहार, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के कई छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "पूर्वी क्षेत्र और विशेष रूप से झारखंड में विभिन्न प्रकार की खानों और खनिजों का विशाल भंडार है। एफडीआई और राजस्व साझेदारी नीतियों के संबंध में कोयला उद्योग में सरकार द्वारा शुरू किए गए सुधार खनन उद्योग के उत्कृष्ट विकास को सक्षम करेंगे, जो नए स्नातकों के लिए आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करते हैं।

खनन उद्योग के लिए विकास क्षमता पर प्रकाश डालते हुए, डॉ तपन चंद ने कहा, "खनन क्षेत्र 23 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और 2.30 करोड़ से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। जबकि भारत 95 खनिज संसाधनों का घर है, अब तक केवल 10% -17% भंडार का पता लगाया गया है। हाल के सरकारी नीतिगत सुधारों से अगले 5 वर्षों में उत्पादन को दोगुना करने के लिए बड़े अवसर का पता लगाने की तैयारी है, जिसमे नई कोयला ब्लॉकों कि नीलामी, परिचालन क्षमता और निवेश की वृद्धि से प्रेरित है। नए स्नातकों के लिए नौकरी के अवसरों का जिक्र करते हुए, डॉ चंद ने कहा, "हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार, खनन में 60,000 से अधिक रिक्तियां हैं, जो उपयुक्त उम्मीदवारों की प्रतीक्षा कर रही हैं। बहुत आकर्षक वेतन के अलावा, खनन क्षेत्र आईआरपी विश्लेषण, उद्योग 4.0, सीएसआर अनुपालन आदि जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में करियर प्रदान करता है। इसके अलावा, इस क्षेत्र में उद्यमिता के बड़े अवसर उभर रहे हैं।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, श्री प्रभाकर चौकी ने कहा, "अकेले झारखंड में नीलामी के तहत आने वाले नए कोयला ब्लॉक अगले 7-8 वर्षों में कम से कम 40,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेंगे। खनन इंजीनियरिंग के अलावा, क्षेत्र के तेजी से आधुनिकीकरण के कारण, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान जैसी अन्य शाखाओं के छात्रों की भी आवश्यकता होगी। श्री प्रभाकर ने कहा की "तकनीकी कौशल के अलावा, छात्रों को सॉफ्ट स्किल भी विकसित करनी चाहिए ताकि वे सफल हों।" एक छात्र के एक सवाल के जवाब में, विश्वविद्यालय के खनन विभाग के एचओडी, प्रोफेसर मिथिलेश मिश्रा ने कहा, "हमारे विश्वविद्यालय ने सभी आवश्यक प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं की स्थापना की है और हमारे छात्रों को क्षेत्रों में अभ्यास करके डीजीएमएस परीक्षा में बैठने के लिए प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसके अलावा, हमारे बीटेक और डीआईटी (पॉलिटेक्निक) खनन के छात्रों को कोयला खदानों में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी दिया जाता है। स्नातक करने वाले सभी छात्रों को सीसीएल, बीसीसीएल और ईसीएल जैसी कंपनियों में अंडरग्राउंड और ओपन कास्ट माइन्स में बीओपीटी द्वारा पोस्ट डिप्लोमा प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (पीडीपीटी) आवंटित किया गया था।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो अरविन्द कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

==========